



बंगाल में नड्डा
के काफिले पर
हमला, केंद्र ने
मांगी रिपोर्ट
देखें अंदर

NBT

नवभारत टाइम्स

पीएम ने कहा,
आत्मनिर्भर भारत
की गवाह बनेगी
नई संसद
देखें अंदर



ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनैशनल कंपनी ने जारी किया डिजाइन, आरामदायक और अत्याधुनिक होगा हवाई अड्डा ऐसा दिखेगा जेवर के एयरपोर्ट का पैसेंजर टर्मिनल

■ विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

जेवर में प्रस्तावित एयरपोर्ट को बनाने वाली ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनैशनल कंपनी ने पैसेंजर टर्मिनल के डिजाइन की पहली झलक जारी की है। डिजाइन तैयार करने के लिए 4 कंपनियों को चुना गया है। भविष्य की जरूरतों के अनुसार उपभोक्ताओं के लिए आरामदायक और अत्याधुनिक डिजाइन तैयार किया गया है। यहां ऐसी सभी सुविधाएं दी जाएंगी जो एक यात्री विश्वस्तरीय एयरपोर्ट में चाहता है। भविष्य में इसे सालाना 30 मिलियन यात्रियों को सेवाएं देने के लिए विस्तार करने का विकल्प भी दिया जाएगा।

एयरपोर्ट के निर्माण की जिम्मेदारी ज्यूरिख इंटरनैशनल को दी गई है। हाल ही में ज्यूरिख इंटरनैशनल ने एयरपोर्ट का मास्टरप्लान नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को सौंपा है। इसमें परियोजना को लेकर विभिन्न प्रावधान किए गए

हैं। पायलट को ट्रेनिंग देने के लिए यहां फ्लाइट क्लब भी बनाया जाएगा। अब ज्यूरिख ने एक कंसोर्टियम का चयन करते हुए नोडिक, ग्रिम्सशॉ, हैप्टिक और एसटीयूपी को आर्किटेक्ट के रूप में शामिल किया है। जून से अगस्त 2020 के बीच तीन चरणों की डिजाइन प्रतियोगिता के माध्यम से इन्हें चुना गया। इन्हें एयरपोर्ट के पैसेंजर टर्मिनल को डिजाइन करने की जिम्मेदारी दी गई है। कोरोना के कारण डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन विशेष परिस्थितियों में किया गया।



हरित और आधुनिक एयरपोर्ट होगा



डिजाइन परियोजना के उद्देश्यों के अनुकूल

यमुना इंटरनैशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ शनैलमैन ने कहा है कि नोडिक, ग्रिम्सशॉ, हैप्टिक और एसटीयूपी की ओर से पेश किया गया डिजाइन परियोजना के उद्देश्यों के अनुकूल है। इसमें स्विस दक्षता एवं भारतीय आतिथ्य का संयोजन किया गया है। यात्रियों को आधुनिक एवं सहज अनुभव प्रदान करेगा। भारत में एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग्स के लिए स्थायित्व के क्षेत्र में नए बेंचमार्क स्थापित करेगा। इमारत के भीतर और बाहर हरित क्षेत्र को सुनिश्चित किया जाएगा।



स्विस दक्षता और भारतीय आतिथ्य का समावेश होगा यहां के डिजाइन में

एक ऐतिहासिक एयरपोर्ट होगा

यमुना इंटरनैशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ ने कहा कि जेवर की इस परियोजना के डिजाइन के लिए टीम ने प्रभावी लेआउट, अनुकूल डिजाइन, उच्च-गुणवत्ता, विशाल हरित क्षेत्र और उर्जा की बचत करने वाली तकनीक पेश की है। यह हरित और आधुनिक एयरपोर्ट होगा। इस तकनीक का

उपयोग हैदराबाद, ओसलो, इस्तांबुल और ज्यूरिख में किया जा चुका है। उन्होंने कहा है कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं के संयोजन वाले क्षेत्र में यह एक ऐतिहासिक एयरपोर्ट होगा। दिल्ली, एनसीआर, नोएडा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के यात्रियों को एयरपोर्ट बेहतरीन अनुभव देगा। डिजिटल सेवा होंगी। पर्यावरण पर कम से कम प्रभाव डालेगा।